

# Inhalt

|  |     |
|--|-----|
| <i>Editorial</i>   | 7   |
| <i>Zeittafel</i>   | 11  |
| <i>Vorwort</i>   | 13  |
| <br>   |     |
| <i>I.</i> <i>Kapitel</i>   |     |
| <i>Ein Kind mit Garten 1872-1889</i>   | 15  |
| <i>II.</i> <i>Kapitel</i>  |     |
| <i>Lehrjahre 1893-1899</i>   | 40  |
| <i>III.</i> <i>Kapitel</i>   |     |
| <i>Der Horizont weitet sich</i>  | 68  |
| <i>IV.</i> <i>Kapitel</i>  |     |
| <i>London – Berlin</i>   | 89  |
| <i>V.</i> <i>Kapitel</i>   |     |
| <i>Die Aberdeens, Schottland und Irland</i>  | 108 |
| <i>VI.</i> <i>Kapitel</i>  |     |
| <i>Zwei Lebensaufgaben</i>   |     |
| 1. Die Schule für Sozialarbeit, frühe Jahre 1907-1913  | 119 |
| <i>VII.</i> <i>Kapitel</i>   |     |
| <i>Zwei Lebensaufgaben</i>   |     |
| 2. Beauftragte des Internationalen Frauenbundes –<br>Kanada und ein erster flüchtiger Blick in die USA | 134 |
| <i>VIII.</i> <i>Kapitel</i>  |     |
| <i>Kurze Ernte vor dem Sturm</i>   | 144 |
| <i>IX.</i> <i>Kapitel</i>  |     |
| <i>»Die Evidenz des Unsichtbaren« 1914</i>   | 159 |
| <i>X.</i> <i>Kapitel</i>   |     |
| <i>Patriotismus ist nicht genug 1914-1916</i>  | 165 |

|               |  |     |
|---------------|--|-----|
| <i>XI.</i>    | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Im Kriegsamt 1917-1919                         | 176 |
| <i>XII.</i>   | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Vierzehn Jahre Demokratie                      |     |
|               | 1. Jahre des Chaos 1919-1924                   | 189 |
| <i>XIII.</i>  | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Vierzehn Jahre Demokratie                      |     |
|               | 2. Meine auswärtigen Angelegenheiten 1920-1933 | 206 |
| <i>XIV.</i>   | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Vierzehn Jahre Demokratie                      |     |
|               | 3. Sozialer Wiederaufbau 1924-1929             | 229 |
| <i>XV.</i>    | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Vierzehn Jahre Demokratie                      |     |
|               | 4. Der Zusammenbruch                           | 265 |
| <i>XVI.</i>   | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Der goldene Ring der Freundschaft              | 273 |
| <i>XVII.</i>  | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Hitlers »Innenpolitik« – Der Lavastrom         | 286 |
| <i>XVIII.</i> | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Das Geheimnis individueller Anpassung          | 296 |
| <i>XIX.</i>   | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Ein Spion steht hinter Dir                     | 306 |
| <i>XX.</i>    | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Die moderne Frau tritt ab                      | 309 |
| <i>XXI.</i>   | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Die Starken und die Schwachen                  | 324 |
| <i>XXII.</i>  | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Gott und Caesar                                | 336 |
| <i>XXIII.</i> | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Martin Niemöller und die Dahlemer Kirche       | 342 |
| <i>XXIV.</i>  | <i>Kapitel</i>                                 |     |
|               | Ein neues Leben                                | 351 |